

DPN 5941

Title : मन्त्र व जन्त्र सफू MANTRA VA JANTRA SAPHU

Run. No. 6632

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 24.3 x 7.5 Folios 44 Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

yantra diagram समस्त चित्र ८

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

0 cms.

5

10

15

20

कवेयजननीनां कायहंशानृत्तानि नृत्तानां दनकसूदकमुद

ॐ सिद्धिगुप्त्या नमः ॥ ननच्छादनयाय विविधं किं धनं वास्यं यनिमानं (धं) रुयक ॥ ॐ बुद्धा एनीः
नमः ॥ श्री श्री साक्षात् ॥ पितृवर्धनमयनयुजामा न ॥ धृयलो नाव युगतिविय कं वना कर्ष ४
पूर्वसंभव नृत्त सकीया ॥ ॥ ॐ नृदायनिनमः ॥ श्री श्री साक्षात् ॥ पितृवर्धनमयनयुजामा न
स्मरु धृय श्री श्वलु युगति रुज (ग) ५ ॥ अ (यदिग स (य) न नृद सकीया ॥ ॥
ॐ कृमानियनमः ॥ श्री श्री साक्षात् ॥ नक वलु मययुजामा न तसर्वतं धृय नक वलु न युगति
रुस नियत वायु सय वा न सकीया ॥ ॥ ॐ विष्णु वियनमः ॥ श्री श्री साक्षात् ॥ ॥

मन्त्रं यज्जा ॥ समर्द्धं धूपकं मुनि-उत्तुतिमश्च ००२ मे मलयसेमानं विष्णुमकिं या ॥ ~
 ॐ वा वा ही नमः ॥ ॐ वा वा ही नमः ॥ नक वं मु मय न य जा ल्मर्द्धं धूपकं मु-उत्ति यं व य
 गा य प ॥ यन्मि म स ग्वन ॥ वा ना हि म कि या ॥ ~ ॥ ॐ वा वा ही नमः ॥ ॐ वा वा ही नमः ॥
 कं क म वं मु य जा समर्द्धं धूप म न सि-उत्ति गु गु नि दा र्द्धं २ ति च त वा य य न ग्वन ॥ ॐ म
 कि या ॥ ~ ॥ ॐ वा मूळ य नमः ॥ ॐ वा मूळ य नमः ॥ नक वं मु य जा मा न धूप न व ल क मा
 स उत्तुति सिध्मा दानिग उत्तु स ग्वन ॥ न व स कि या ॥ ~ ॥ ॐ म ल ल क्री नमः ॥

[illegible]

न ज्ञानमत्र तस्मान् कर्तव्यता कर्तव्यकामान् सस्मर्यां यजयन्तु पुत्रं स मकृतिंद स क
 लदवास्व तयतंद रंदत (॥) अथ वधपद रंद २ रु संधका वरुत क रुस्य सविशिसन थं
 पकपुनत नामरुद २ वासनापिनद थवायया डयदि थ तलाह कं क म नक वंदन गु
 मुनि कमुनि थत वासम किर्मनु थाय पं वरुग वत पसुनिकान थका थयमान डा
 हादिष्टि मदाडात वात्रावात्रतन वाकस रुकपजायाय दिनस रुक सक न प्येद कः
 धनदास्यनिकास्यत मधुतानयाम रिंदकं त वागीस रुक यथाय दिन रुक इ गुत

गयनवियमान पथमस रुक आवननदन कं तमान जपथधवसरुज २ याय दवप
 तिं धेमे सं शं कं आवननमत्र स रुकानि रुदमान मारकायात रुक खटकन वाय ॥
 ☆ मृत्रयाग रुका अरु कन वाय पातास न गुन्यात पत्रं जव स थाप ना क मि
 तत्र जाश्विन सपत्र शास्यत दथ स साध कि र्म वा न पं व्रुम ॥ मंसद गत रुवत वलि
 ॥ बालसया सत्रिडा वनि ॥ रुसिया स्वात्र वनि ॥ रुसजा नायात्र वलि ॥ गंगनया खा
 वलि ॥ एकपुनयागसा र्यवनागिसिध ॥ न क्र स न यागसा सक नागीन सिधयि व रु

ॐ सिद्धिस्तु नमः

[illegible]

251

[illegible]

निदाउ वायं गगुया केरु सा ॥ उं ध नगडा स पा ला स मूल केरु म स म पा थ ना थि ना द्वि द्वि ग
 धि स्था हा ॥ धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न धम न ॥
 उं न क उं नि यान स धन धन उं नि न न सं व सी जी ध य रा वै सी आ च न न गु व द्वि म जी
 द्वि सि द्वि ग र प सा ह सि द्वि मु र आ ग्या धम न धम न उं धा रा उ प स यं न क
 ॥ ६ ॥ उं धि आ व स य स मा सि वा रा स नि म र हं हं कं प य २ धि जी आ ॥ त्या न
 के ॥ ॥ धि क नु आ व सि कं प नि सी नि क नु हं न गाय क न आ ॥ ॥ दि न क

त्वा न क वि धि ॥ गा ३ नि ल ना ध पू जा वि धि पू जा या दा डा तु गु ध न का डा का य
 दा हा स्त्री दा २ आ क गु म्द २ ज य या दा डा का य मं न ॥ ॥ उं हं ग क र ३ न म स्था हा
 धा २ ॥ १०८ ॥ दा चि त त्वा न क मा न हा द थु स या द न का य क र य स धा म न त्वा न क
 मा न हा क ज य दा म क य ॥ ज धा क व ली दा न ॥ व क न का य स म स का य च कु नि
 वि स ज न ॥ ज य या दं उ म वि स न का य ॥ वि द्वि वि स व न कं न य व स न य स न य
 ॥ क र कं न य क नु जा या या थं ज य या ये हं क र क ध प थ दा ज न य ति का य न य क
 नु तं व ज या डा मा न क ॥ आ ग क रं ला हा ॥ धा न ३ ध न त्वा न क वि धि ॥ ॥ धु म

गोसा १ सिद्धास गोसा १ कपू गोसा १ मलिखा नगा १ मलामास गो १ सगमसया गुमाय म
 लाधूय ॥ ॥ ॐ आवसय गो राय न स न स वास हं नु आ ॥ ॥ १०६ ॥ चगु सिद्धय क
 थ दं न क न क ॥ त्वा न क ॥ आवस वि स ज न म ॥ धा न १ दि न क ॥ ॥ ॐ व रु व रु न य म
 ला ला ध न हं द ट धा न १०६ ॥ धू य च गु सिद्धय क थ दं ति ता नं श्या न क आवे च गु त्रि
 न रु वा मा न स थि य त्वा न क वि धि ॥ ॥ दि म क स नू नू न न ॥ ॥ ध न त्वा न क धू य ॥
 कं क म क स त्रि या व धु न ग न न द क पू न क मु त्रि न क पि यं गु क स हो न त
 न स दा सि द्धा स गु य त्रि न न मां स सि न न वा वा ॥ ल गा सि ॥ ध व दा नू कि ड स न पू व

२३५
 या न क स न स मिं सि सा य न स वा स थ न धू य ध न द दि त्वा न क रु वा ॥ ॥ ॐ हं क क न कु
 न न य म ला रं न वा य हा न ग कि स दि ता य अ व न स्वा दा ॥ धी नू हि ॥ ॐ हं सं सा म्य स पू म
 ला रं न वा य अ ध म हा कि स दि ता य क ल न सा रु हं द ट स्वा दा ॥ दि न क ॥ ॥ ॐ हं कं कं कं
 कं कं ल न स य क वा स नू प दि सि द दि अ नू न हं द ट स्वा दा ॥ क नू त या वा स नू क
 पू न च गु त्रि सि द्धा य हि स य ता का मा व क्थ य के न नि म सा न या न त्रि का या व सा ध
 न स वा वा ज न य हि द य के क थ दा ज क न क क नू न स य के न दा यि न वा य के रु वा ॥ ॥
 ॐ आवस गो राय न स न स वा स हं द ट स्वा दा ॥ धा न ॥ रु दि थि त्वा न क ॥ च गु सिद्धय न

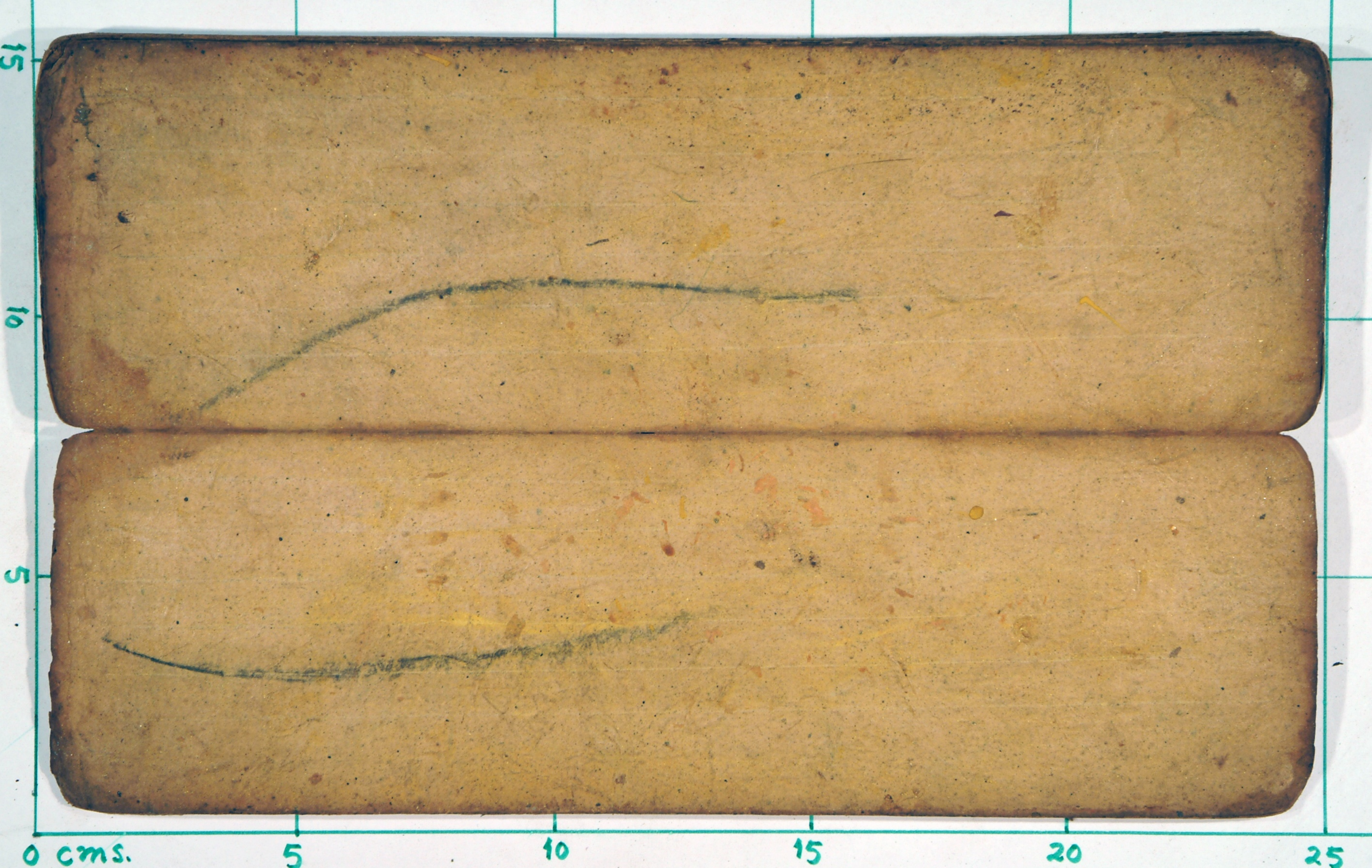
याज्ञान १०८ कृष्णधत्वात्कै ॥ ॥ ॐ जिंशामहामहसवसिगृहं दंशसादा ॥ ॥ ॐ मन्त्रः
नृत्तजपनयतात्कै ॥ ॥ ॐ गुणमृगुतिविब ॥ ॥ मन्त्रेधामितपुयादाहलममनमः ॥ ॥ ॐ तममा
दन्तकान्तमिधियुसा प्रद्युक्तज्ञान पुनं कुञ्जाज्ञानवक्तृगमामासदायकं ॥ ॥ ॐ किं श
पश्चत्तनं तं शकभाहकानकं अग्र्यकेन नृत्तमभाहलं जमदायकं ॥ ॥ ॐ महा
वंगयथवास्तन किं महावरागीपवतस्तिसा सहितमस्वादा ॥ ॥ ॐ सत्त्वसत्त्वका
याज्ञानात्रशुक्रदादाज्ञानमवयागात्रमायमइ ॥ ॥ ताकुर्यमइ त्वनकमइ रितायमइ
धर्मगुयादाज्ञानं ननानं ध्यनकमान ॥ ॥ ॐ जिंशामहामहसवसिगृहं दंशसादा ॥ ॥ ॐ मन्त्रः

[illegible]

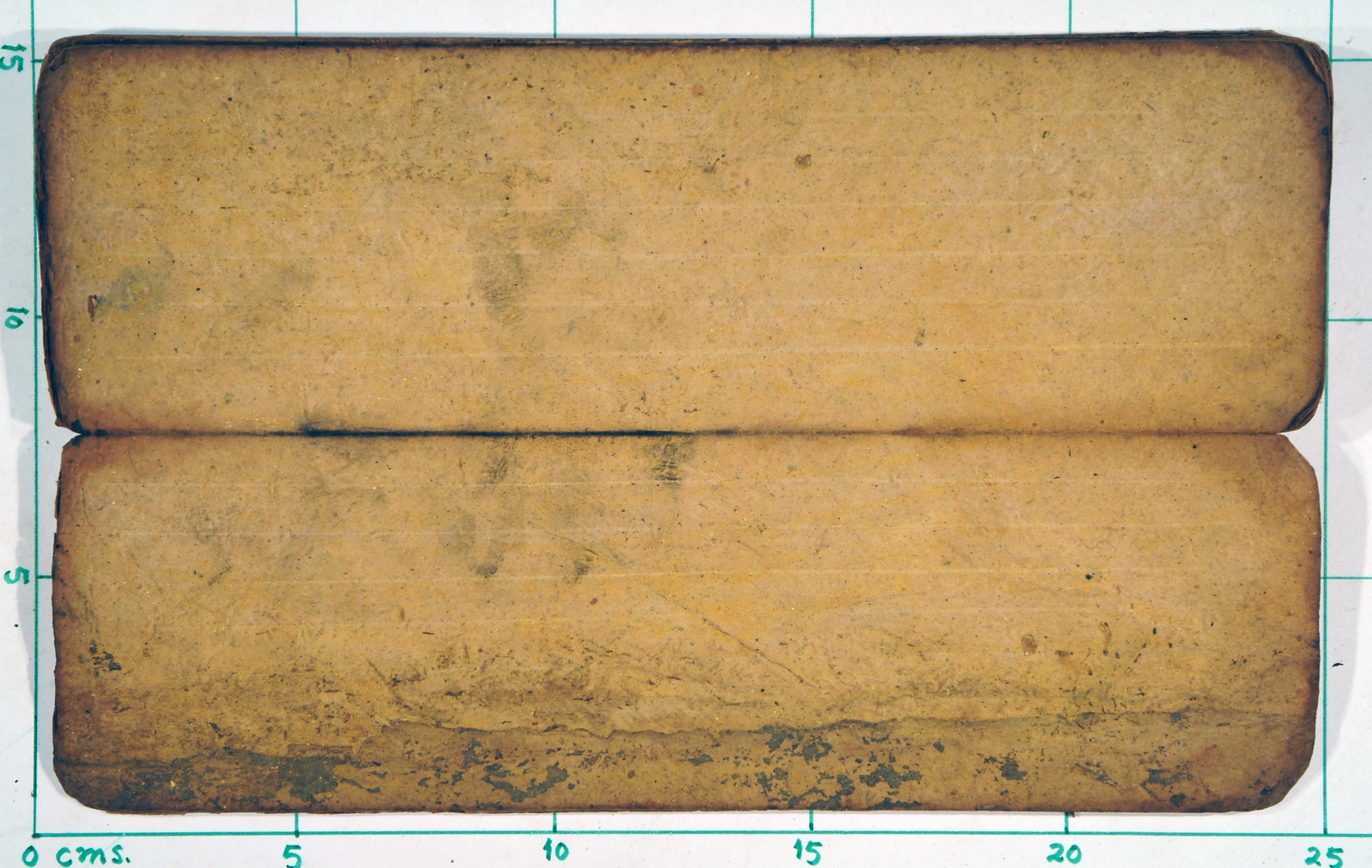
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



[illegible]





15

10

5

0 cms.

5

10

15

20

25

Handwritten text in Devanagari script, arranged in concentric circles around a central diagram. The text is written in black ink on aged, yellowish-brown paper. The central diagram consists of a circle with a smaller circle inside, containing the word 'सम' (Sam). The outer circle is divided into segments, each containing a letter or symbol. The text around the diagram is organized into layers, with some lines starting with 'ॐ' (Om) and others with '॥' (double vertical lines). The script is a historical form of Devanagari, likely from a manuscript of a religious or philosophical text.



ገጽ ፩

ገጽ ፩

ገጽ ፩

0 cms. 5 10 15 20 25

॥ श्रुजया नमः ॥ मा उ स्यायु कलयु दवया दा सन गा या पी ज वि यू व शूल उायु व आयु
भन रं नूयु वे त्रि उ ला कां स जाय नयु कां रु था वि का न थ सा क स म ह द ॥ ॥ पूर्व दि
भयु ति प दा वा न व मी वा न दी ध न ड ह वा शार्ण ॥ ॥ श्रुज स्य द व गा मि व श्रु नि ना
म ना रु स म हा का ल या नि द व गा श्रु का श्रु नि नी ड ह्नि क पि ० वृ न्द स न दि
द व गा कृ ण द व गा वा पि ज न मा नू स्थि रं ॥ सा म य रु दं द व गा श्रु च न डा का न रु णं
दं द व गा र्था वि षु ॥ ॥ ग न श्रु नि क ॥

[illegible]

ॐ नमो महादेवे ॥ ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
 कस्तुरी, गन्धमादन, अनिष्टिनी, यथ, धूप, १० थथ, हनक, जकु, शोधाव, धव,
 यत्रै, यान, नञा, या, कृता, का, क, कायन, इ, व, पि, व, न, त्थ, शार्थ, ॐ नान, या, कृता,
 का, क, कर्म, या, न, य, ज्ञा, स, ज, ह, स, अन, ग, ना, ना, कर्म, स, उ, र्जा, न, न, मान, न,
 या, दा, नु, नि, म, ग, न, क, नि, का, य, क, व, व, र्ज, य, न, ज्ञा, र्ज, य, ॥ ७ ॥

बाइल सा
 धप म बाज
 बाइल सा
 धप म बाज

ध्वजयन्त्रिका नैजकुवाय कर्नेकसेवाज्ञ ज्ञान
यत्तसंज्ञाय भववर्तिवाज्ञ भावयावा वा नमसान
दायावा पूजायिता यथना माधवसयाहिसना

15

10

याव ज्ञाय ममनसिपुनन, उधानवागु, श्रीगुनिकावक, यतावर्जु, ययात, सकयाकमाननछाय
 थथगतयंथासइ, वकसिमाकस, कसिसाकस, लुनगृहस, उडनकारंनस, थतंगमनइ, थवज

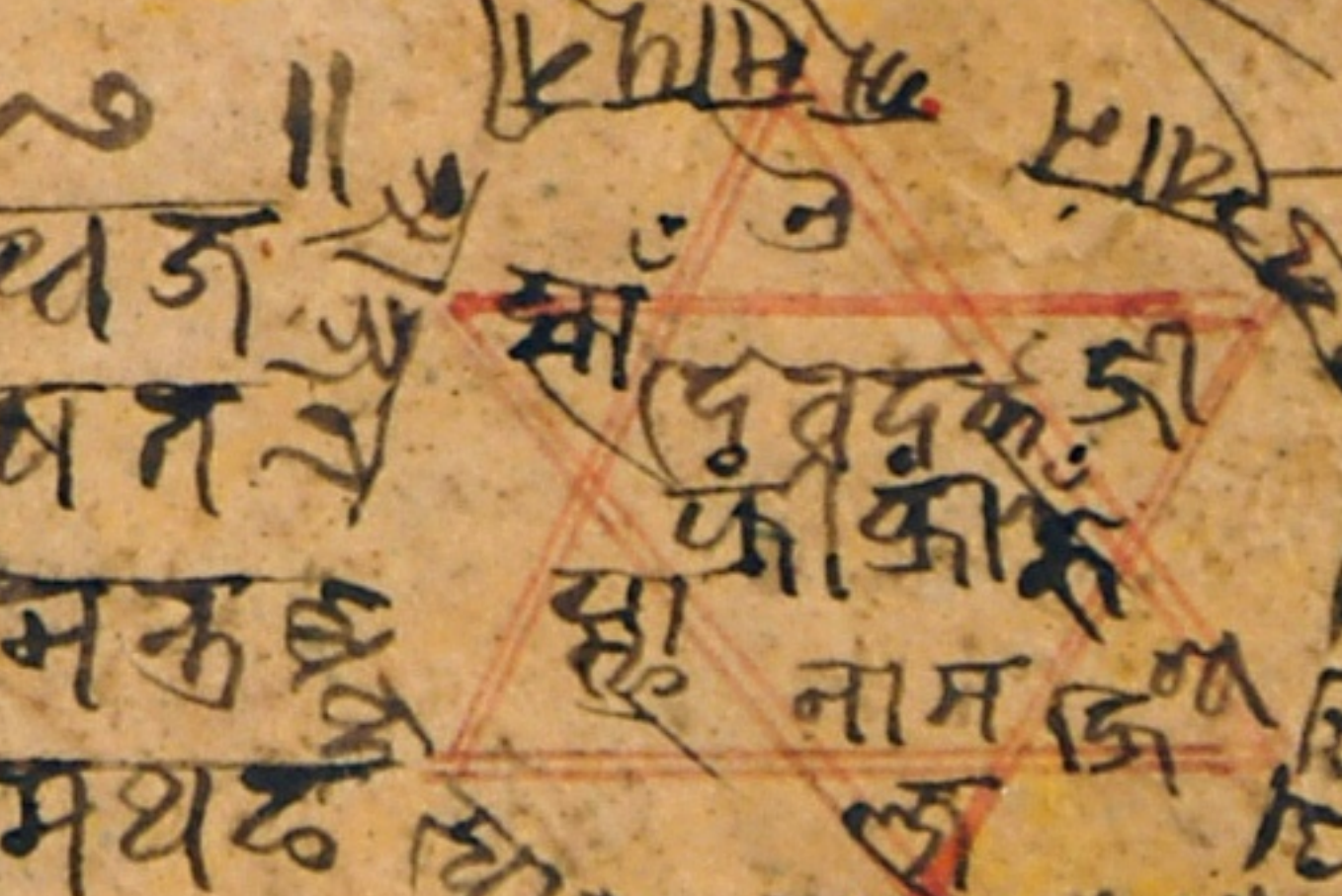


ॐ कानकांज ननकसिधिउ
 ॐ स्वाहाधनउभाहानि
 मेनुयकुथकसराक ॥ म
 कुशागुनगउभधरा
 नीसमानन

दथसन धपकद २ विय यैववावपजायायमाननवि
 (कुधानेवा जीयतसते) काइते २ दधनं वकन, काइ
 ते ३ वाइदवनते ४ कषय, वयाक्यामकुर्न धानर ४
 कयाकसास्ययाय, कपय, पूजावादावगा राजन, वाः
 नजाक थकाअगाथ, वउयदयादवतिदवगा, धी
 दद्यय, खनकन विकर्न, ममकै, मवांशा, सधानिका
 का

त्रियाभाजिनगना

य, खान ४ गर्थ, वनिवाय, थथवसथास, विरहा, वावाधसै, नरुक ३ नदवागाहिय, झाकनंखस
 वोंधेस्यं डाडाअ, धानसिदाअय ॥ गुयांनवासाधनधाय ॥
 धककथाय, ममनया, रुनात्रपय, सथाय, कखया, कज ०० यजा
 ममनया, रुनात्र, नगाथावाववाय, धपविय, ममूखयास, मक
 कजगसं, पूजायाय, कानियाक, डाडाअइ, वा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
 कानाय, कानाय, खादा ॥ धर धजपप, थंसथन, थयात्रहा
 क कायस, वडाअ, कादर्थ, सेंथेने, म ०० नाकै, तव, म ०० रु
 य, म ०० पानि, नपा, रुसथन, इयतयइ, म ०० रु, थाय, का



कथचरगचन
 कानवासाव
 नयडाअ, ना
 नकाथनविय
 यकामलात्रम
 गकथदवा, दवाया, र्थनमात्र, माकन
 काइना ॥ धप, गु २ वि, साओयाने, गुन
 कस, धकखान, गु २ खान, क्राकतय

नमकन, उतगकिनीसकि
 नमकन, नम

15

10

5

0 cms.

5

10

15

20

25

विष्णुसहस्रनाम

विष्णुसहस्रनाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धरवा रुका ॥
मकुडक रुका

समभानध धपविय स्यारस
मुमुनि सिनाज धन धकनस वागासा धन ॥

(ध धठनक समभानसवाय कानभाननंगव रुसिठवृपिनंगव वास्यतयाव यसं
संमकुवाय दधसकलसग थापनाशौद धनवाय पूयाजोददय अदानद रुजमं व
त खान हाइमयनप जायाय थकसवायमकुगुधनरुजयध धकनस कयाधनअव
दिध आदितवात्रकृ प्रथमप्रगवाया शवादाशकार्य नाकनार्यवरागयाय वि वि
क सयाइति धनि नांद धगिन आइसनकार्य कनससदंथनंठनकं एन काय
सधन १ धन सधन १ धनी सतधन १ यायमंग कलसइन आइमयनप जायाइएन

सकलाथन प्रमान धनवायमनवश्व वशास्यवादावमान सममानकासाधनयाद स्वज्ञाव
 कंनविधानध गनवकार्षस गनवावस जिर्व सर्वसा र्थय कियवसेने याय याकाकइना शु
 कासनधायार्थ थथश्यना छुनकार्यधर्क कनिउम्व ॥ धपजासयगावमु दिषयमान
 कीधर्त स्यादमादई धवर्क द्याय वनश्वनि द्याया ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 का ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 कनस्यस्य सागयागयादा वनिअहामाताकात्रि अघानव्यनि वासिनिकात्रि अय्यपः
 सन धर्क होन धय दन धकासदिववनसयसाथनयाय वनिवपादसवादाव

श्रीशकसगानसमसकाय वातस दसि दंस स्वा नदम् ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 धनवन नवश्व अर्थवा मदगसा रनवाइ क धदय जायाद सगमतव कार्यसंतव
 याकसर्थयन त्यागकइना ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 त्यागक जाकु सरवाइ कइना यकंयामग यव्य पुमाननवायधत ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 कं कंसिधिसाकाः ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ॐ कां वं कृति ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 धनधर्यगास ॥ ० ॥

॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

यव कार्त्त सत इ

रुटदरुटन
दवदरुडन

दिवत अष्टक
जपुष्टस नाम

नगनसथ

अष्टया कनन पयक एता न

सवाव नतानड

वाय उउप्रिसंयाइ

कन सासपि एता वस

न २ वा हा ध २ काय स
पुजायायै दा उता थमा न ति
काय न क या द सता द ता थ

(क ० द व

मा ० कु मा

जा ० य य

(ध ज रु नि वे य स था य

दिव ए स व न तान म म

न स थ द ता थ द स क न

मृ क इ य म य या क न क

ना म न इ ना ॥

अष्टक ॥ ३ ॥

काये

थ म रु ध

(ध थ मा न क थ द्वा नाम न व

उ वि वा य मि क्क थ न मि

सा द थ न ए का त वा द इ ध

न या क न स वा य न या इ ध न प

का द नि प या द थ न व ना व वा

ए या वा क्क इ व क्क त व थ द त

व व क्क स व य क्क दाय मिया न मि

सा त नि सा त नि त न

न रु द न व न द व

न रु द न व न द व

न रु द न व न द व

न रु द न व न द व

न रु द न व न द व

न रु द न व न द व

न रु द न व न द व

(ध न का था वा य

स म स हि स था वा व

वा य म म न या नि प

न का पु स वा य य न

का न स थ द न नाम

थ क नो क या क र

क या द म सि धि य

यो द न म क ॥

उं व ज स व व इ त न य जा वा मा जा या थ अ उ

भ का हा उ न या सा द त ॥ ध न २ गु गु नि दाः

दा क ना म म न न वा वा २ व दा वा ॥ अ क या

ना म वा र्थ थ न वा क स ना र्थ न ज प य ध न

का डी पु जा या य र्थ स क्क न या सा क वि य क्क

र क स क स का य व पा न स वा न स न व म

न प जा ॥ अ क या मे क वि शा म्वा य म म न

स थ द ता थ य ॥

15



पुत्रया

ॐ दंजं नु निषितं नगना सोलिषितं गेवात्र न न क व द
 न का क क न क (ग) ध क व र्म उ य निषितं पाद वा धि उ ना
 अ द ति हा य ॥ कमल वा धि उ ना कामिनि मा हा य ॐ दी पें डे
 वा धि उ ना ल वि ॐ दि हा ॥ क व र्म अ सि का दि उ ना वा धि क
 पू र हा ॥ कम न ना सि वा धि उ ना वि ज र्थ र ह ॥ ल य उ य
 ना य य ना ॥ न इ न र य म उ य सि उ य न ना य य ना पू न य नि
 व हा ॥ ॥ ए हा ज नु का वा मु व र्म उ य वि ना म नि ना म

१६

10

मा शु पा



(क) क म (ग) वा व न न
 नु ज य र्ग लि ष ज स्य
 ना म लि षा ल स्य म र्क
 ज य न डा स र्व र य
 ना स नि घृ त म ध
 म ध य ज्ञि य ध न क
 सि ष र्म अ का न र्म क म र्क
 य र्क अ य द्धि न डा ॥



क क म (ग) वा व
 न न नु ज य र्ग ना
 म लि षि र्म ग र्व
 ध य न ॥ म हा शा रा
 ग र व ति ॥

5



कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥



उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥



कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥



कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥



कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥



कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥

उदितं गुणपुत्रसन्नि



कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥

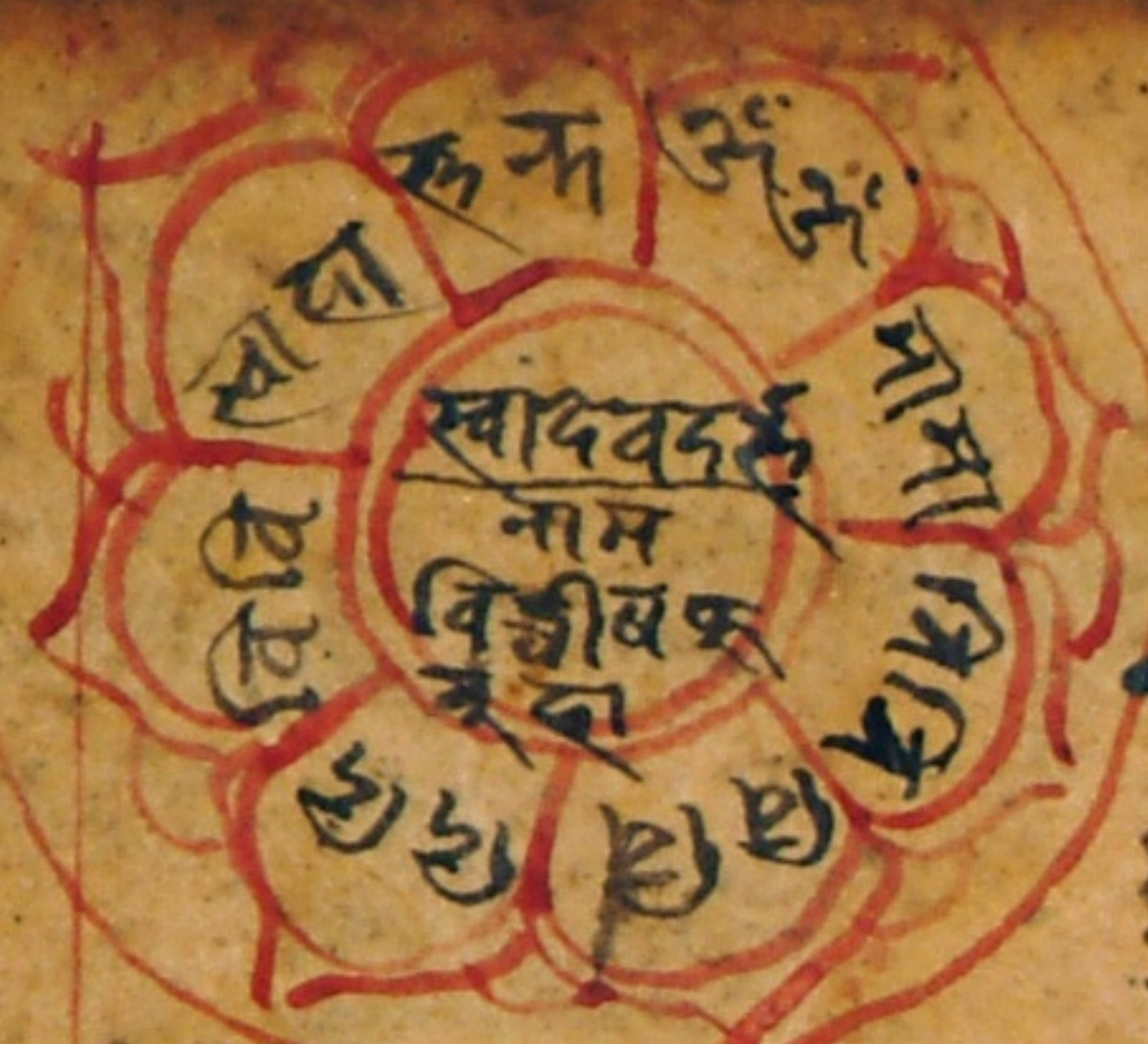


कूंकुम (मनावनन
उदितं गुणपुत्रसन्नि
वितं नाम क (८) वं च
संगमजयवक ॥ ५ ॥

15

10

5



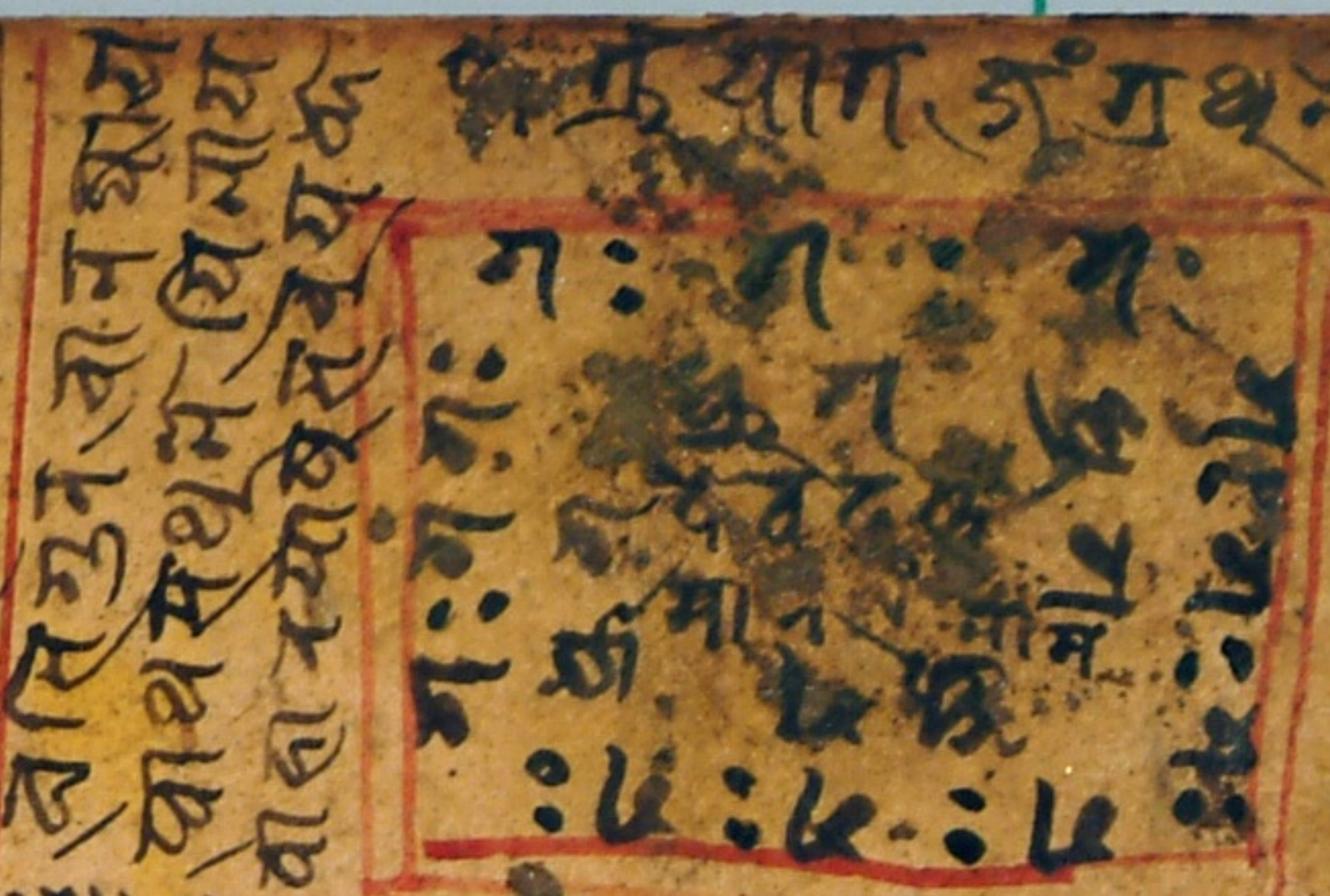
सर्ववद
नाम
सर्ववद

मन्त्रावन रुलानि उवाचि
मिनापद यमनामातस्य
नाम श्रीगिरिनिरुत चत
सुध्या तस्यपिय वतिरुमि
जातन विद्विषय तिराव



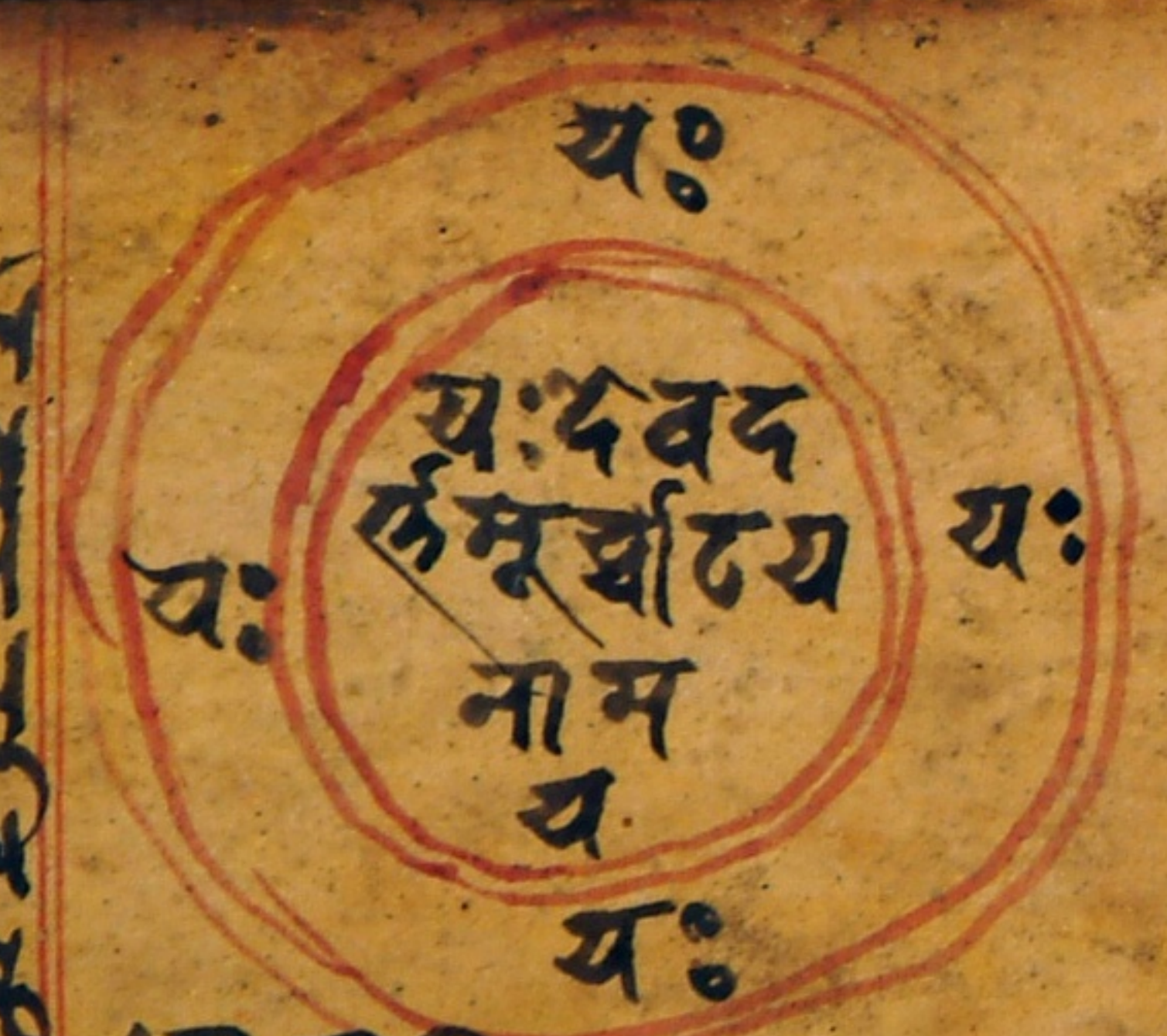
मन्त्रमनकपन मन्त्रमनम
नलिनियत्रिणामरिका
मन्त्रनरुलपतिरुता तस्य
उदय पत्रिष्य नीरुत नव
वयन निरुतयोनार्वक

मन्त्रमनकपन मन्त्रमनम
नलिनियत्रिणामरिका
मन्त्रनरुलपतिरुता तस्य
उदय पत्रिष्य नीरुत नव
वयन निरुतयोनार्वक



मन्त्रमनकपन मन्त्रमनम
नलिनियत्रिणामरिका
मन्त्रनरुलपतिरुता तस्य
उदय पत्रिष्य नीरुत नव
वयन निरुतयोनार्वक

सर्ववद



उवाच नमो भगवते

मन्त्रमनकपन मन्त्रमनम
नलिनियत्रिणामरिका
मन्त्रनरुलपतिरुता तस्य
उदय पत्रिष्य नीरुत नव
वयन निरुतयोनार्वक



मन्त्रमनकपन मन्त्रमनम
नलिनियत्रिणामरिका
मन्त्रनरुलपतिरुता तस्य
उदय पत्रिष्य नीरुत नव
वयन निरुतयोनार्वक

यः	यः	यः
यः	यः	यः
यः	यः	यः
यः	यः	यः



मन्त्रमनकपन मन्त्रमनम
नलिनियत्रिणामरिका
मन्त्रनरुलपतिरुता तस्य
उदय पत्रिष्य नीरुत नव
वयन निरुतयोनार्वक

0 cms.

5

10

15

20

25

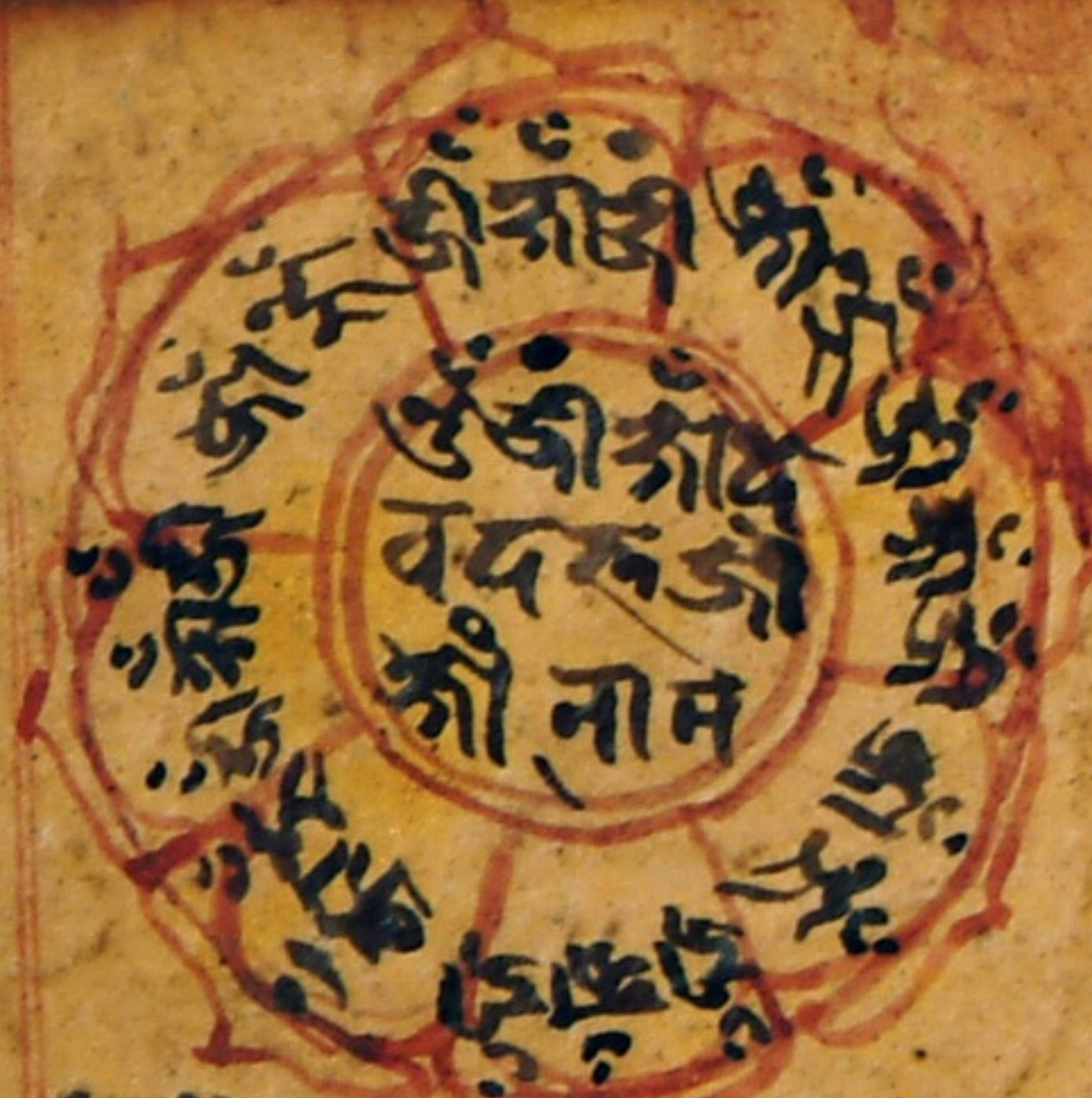
श्रीगुरुभ्यो नमः



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शक्यं भवति ॥
सर्वं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

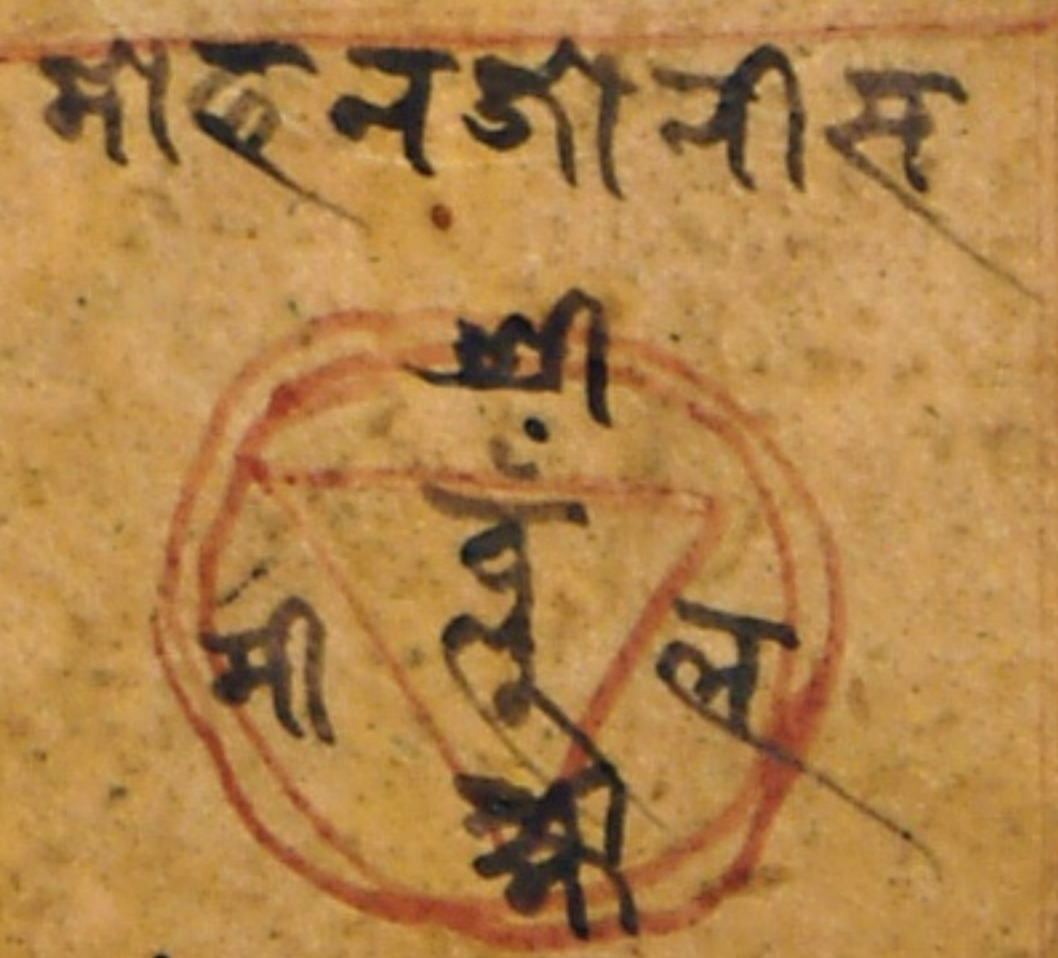


ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥





ॐ धर्जं गुरुं कुरु (मना वनन रुजयुगल वायाद स माहा न पाहन डा क्रयान
 म दधर्म ग माहा नाये वरु स लाहा ध सं ता सं धन न र्ग शय निश्चय व
 सिक लु प स र्व ॥ धर्जं गु या पा थ क थ ग र्व लु स क ॥ आ लि र्वा क लु का
 या अ न न प न प ट मा न वि र्ज स सा र्व ग र्व ध र्वा ग र्व र्व व दि न पि गु न (॥
 मा न भ य जी व लु मा ला म क द ना (॥ य पि गु ल म र्व स पा र्थि व ली ख र्ज
 न क र्वा ध स ग र्व ग रु व न म पि व र्ज का क थ मा न व ल्य ॥ का म ग र्ज
 म न न ज य ध ध न १०० उं का म द वा य वि म ह प य वा ना य धी म
 रु ग र्वा नं ग य वा द या ग ना म का य थ थ लि ध न न य मा क थ ॥



(अनक नरु न अ नामिका न क
 न उजयुग नाम लिखन च न
 म ध ना ४ पु क्रि य न क प य ना
 य न ॥



(सि मि ना य थ पि त ड य न ना म
 लि खि त अ र्ज म र्व स य ग वा
 वा र्ज र य ति आ ध स क म पि

निश्चय सि सि ता स वा
 कृ पा ग आ स म र्ग का स पा य
 लो हा न र्ग न र्ग ना म मा न
 ध न र्व ला य म रु य क म
 न को ग ड थ ड न वी य ॥
 (म ना व न र्ज म न
 स क्ति न रु ज य स
 वा य लो हा थ स क्ति क
 न क वा द प यो रि रु ॥



महाराज



(ध्वजकुवायाव नामनामन्वातकै ध्वननननकी
ध्वय उजपुसराय मनषयादि फंकम (भवा
वन श्रीखलु कमुत्रि कत्यन ध्वननवाय ध्वलि
जकुध्वदाउ अषदिवाव नत्रवाव ध्वउवाव
नार्य नाय नसत जवनासहाय मित्रसत वाधत
नवध्वमा होनिजकु यवर् ॥ (ए डत चोक
सतवावा १ (पुषावागं ॥ (उडा हा रं ॥
रुधवाजानि २ मटी १ ॥ (सिजनवाव
सतगुंजि २ पुन १ ॥ (कनन
नोजरुस निरु नाउके ॥ (न्यात ॥ ध्वउध ॥

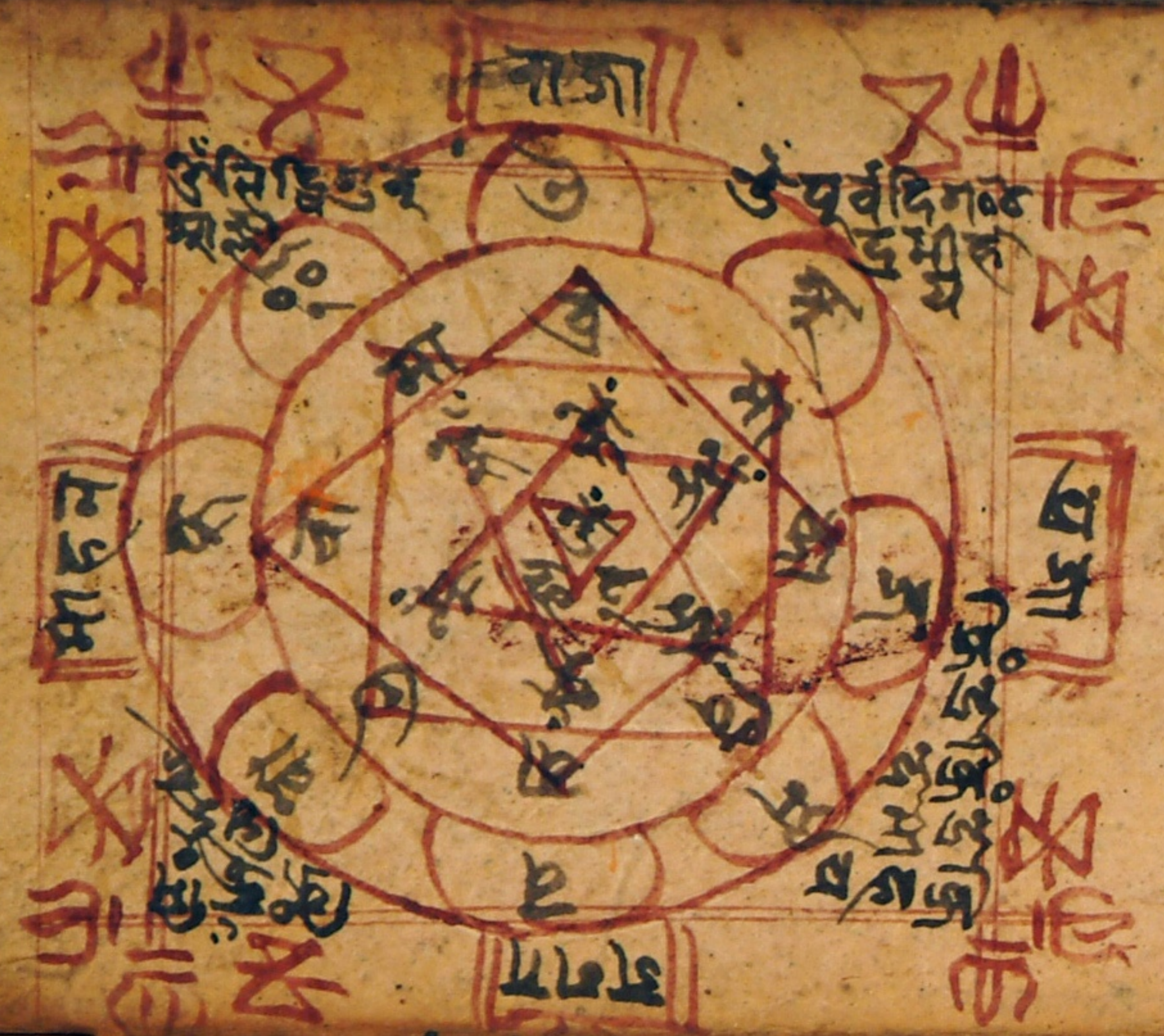
22	60	72	80
30	32	20	72
70	22	60	2
22	70	82	30

पंचविंश श्रौतियापद का पंचासा ४ हा ल ह न म म हा ना (म स य न इ नि य
र वि यो न र कि इ क ल ४ ॥ वी सा पंच वानि सा गि सा र्य व ह र नी सि वा व नी का र्य वि यो ग ह
उ य न ख स य न घा न व स ग य ना म र्य ४ ह हा ने पंच नि सा म थि स र्य य म क न य ना ५ सा
वा ही ज ल क ल न ग क न ह नी क नि स र्य य ना स थि ॥ प च ५ थि म द व

A horizontal scale is shown with markings at 0, 5, 10, 15, 20, and 25. A red dot is placed on the scale at the midpoint between 10 and 15, which is 12.5 cm.

15

महर्षिः ५



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

10

महर्षिः ५



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

5



उजयपुंसेवा...
मिसविस्यते...
नकनकाविय...
स्याकया



ममत्रावनरुजयपुस
मापा नवाय इदध
मिपा न रंकारं सथद
नत नामत कोयवाय



ममत्रावनरुजयपुस
मापा नवाय इदध
मिपा न रंकारं सथद
नत नामत कोयवाय



ममत्रावनरुजयपुस
मापा नवाय इदध
मिपा न रंकारं सथद
नत नामत कोयवाय



उजयपुंसेवा...
मिसविस्यते...
नकनकाविय...
स्याकया



कवस...
मापा नवाय इदध
मिपा न रंकारं सथद
नत नामत कोयवाय



ममत्रावनरुजयपुस
मापा नवाय इदध
मिपा न रंकारं सथद
नत नामत कोयवाय

ममत्रावनरुजयपुस
मापा नवाय इदध
मिपा न रंकारं सथद
नत नामत कोयवाय



व. १५



(मन्त्राचन कर्म मन्त्राचन
न उजपगुसवात्य नाजप
जा आदिन वस्य इय सत्य
य इ वा ॥ वस्य या य क्रया नाम
इथ न मान ॥



(कर्म मन्त्राचन उजपगुस
वात्य नाजपगुसवात्य नाजप
जा आदिन वस्य इय सत्य
य इ वा ॥ वस्य या य क्रया नाम
इथ न मान ॥



(मन्त्राचन कर्म मन्त्राचन
न उजपगुसवात्य नाजप
जा आदिन वस्य इय सत्य
य इ वा ॥ वस्य या य क्रया नाम
इथ न मान ॥



(मन्त्राचन मिसाया क
पानका मसवात्य श्वय
वसिं ह म्मन मसपन
वेयक मन्त्र इय एयव ॥

५०५०५०



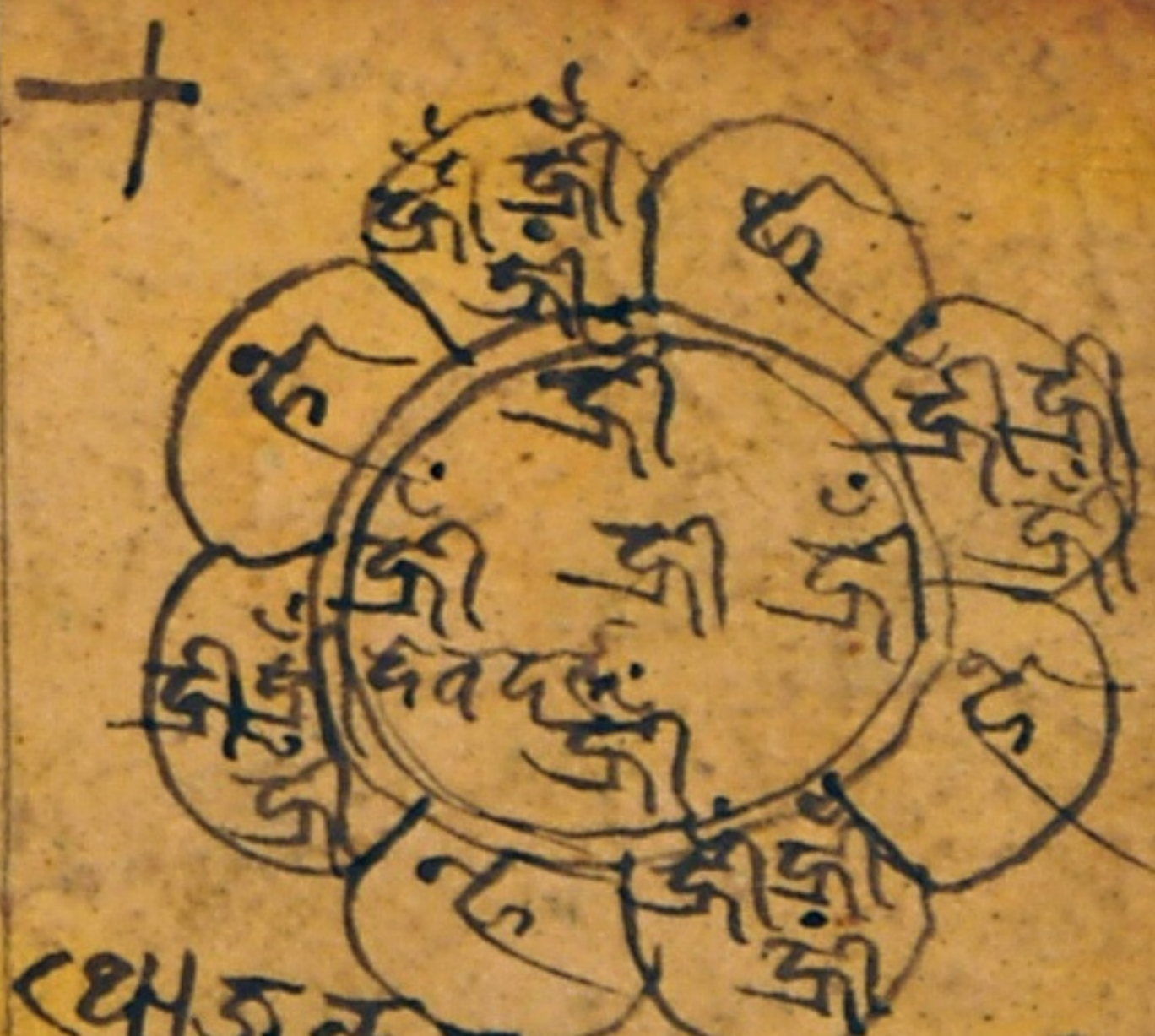
(ध साया दस थां वा पिकार
याय प्रसिया वा समभां वा
सयानिया वा मफ ० गया वा
धमिनाय वृत्रा दयक उर
ममममम



नसव इधनगितन उ
जपगुसवात्य व वा क न
वा बाका वा कास्य पात्रवा
क थयस थ कता ध
म नु या य थ नु स्या वक
विकाय इ वा य



(जवना हाति सद्धा क तप
धु व नु उ ला ज प वास्य त
निस इ न वा क म क वा द
सिपु पाडा थिय डा क थि
ना व स इ य व



(ध ज नु उ ज प ग स कर्म
मन्त्राचन न वास्य द्वा क
सा रा गंदय मा वा म इ
या दय क जिव ॥

मन्त्राचन

ॐ ० दवमा
न ० कमायना
यनाम

(नीचपुनस एस
अनशायव न
क्यानामइधद
ममनसधदगा
थसाधवानन
सकभायवना

ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ

मटिनवसयायनामइध
नाननपास्यनधमअ
खंजयमरुयकनइना

ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ

ममनसधदगा
नाननपास्यनधमअ
खंजयमरुयकनइना

ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ



